RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
मई
16
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

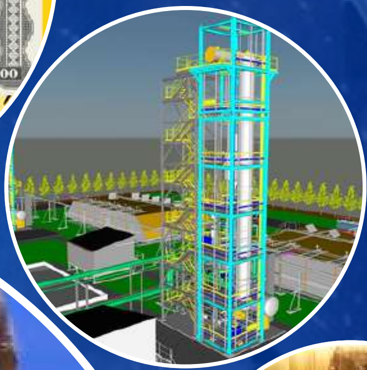

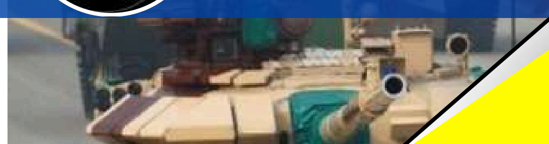

By Ankit Avasthi Sir

ट्रेजरी बिल / T-Bills

संदर्भ:

भारत ने मालदीव को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए **50 मिलियन डॉलर** के ट्रेजरी बिल को आगे बढ़ा दिया है। यह सहायता 2019 से चल रही सरकार-से-सरकार की व्यवस्था के तहत जारी की गई है।

ट्रेजरी बिल (T-Bills):

परिभाषा:

- ट्रेजरी बिल एक अल्पकालिक ऋण उपकरण है जिसे भारत सरकार द्वारा **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)** के माध्यम से जारी किया जाता है।
- यह **सरकारी प्रतिभूतियों (G-Secs)** का हिस्सा है और अल्पकालिक धन जुटाने के लिए उपयोग किया जाता है।
- **पहली बार भारत में:** 1917 में जारी किए गए।
- **निवेश उद्देश्य:** सुरक्षित और तरल निवेश की इच्छा रखने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त।

विशेषताएँ:

- **शून्य कूपन प्रतिभूतियाँ:**
  - ब्याज भुगतान नहीं होता।
  - **छूट पर जारी** और **परिपक्वता पर अंकित मूल्य** पर पुनर्भुगतान।
- **उदाहरण:**
  - ₹100 अंकित मूल्य का 91-दिवसीय T-बिल ₹98 पर जारी किया जा सकता है।
  - **लाभ:** ₹100 - ₹98 = ₹2 (निवेशक की आय)।

भारत-मालदीव संबंध:

- **रणनीतिक साझेदारी:** मालदीव भारत का प्रमुख समुद्री पड़ोसी और 'पड़ोसी पहले' नीति व 'महासागर' दृष्टिकोण (MAHASAGAR: Mutual and Holistic Advancement for Security and Growth Across Regions) का महत्वपूर्ण भागीदार है।
- **बहुपक्षीय मंचों में भागीदारी:** दोनों देश SAARC, दक्षिण एशियाई आर्थिक संघ और दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार समझौते (SAFTA) के संस्थापक सदस्य हैं।
- **आर्थिक साझेदारी:** 1981 में व्यापार समझौता हुआ, जिसके तहत आवश्यक वस्तुओं के निर्यात का प्रावधान है।
  - 2021 में द्विपक्षीय व्यापार 300 मिलियन डॉलर पार हुआ।
  - 2022 में 500 मिलियन और 2023 में $548 मिलियन तक पहुंचा।
  - भारत मालदीव का एक बड़ा निवेशक और पर्यटन बाज़ार है।
- **रक्षा और सुरक्षा सहयोग:** 1988 से ही दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग एक प्रमुख क्षेत्र है।
- **पर्यटन:** 2023 में भारत मालदीव के लिए प्रमुख स्रोत देश रहा, जिसकी हिस्सेदारी 11.8% रही।
- **कनेक्टिविटी:**
  - मार्च 2022 में "ओपन स्काई" समझौता हुआ, जिससे हवाई संपर्क बेहतर होगा।
  - ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट के तहत माले से थिलाफुशी तक लिंक बनाया जा रहा है।

भारत के लिए मालदीव का महत्व:

1. सामरिक महत्व: मालदीव हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित है, जिसकी स्थिरता और सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

2. व्यापार मार्ग:

- मालदीव **गुल्फ ऑफ एडन** और **स्ट्रेट ऑफ मलक्का** के बीच महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों पर स्थित है।
- भारत के **लगभग आधे बाहरी व्यापार** और **80% ऊर्जा आयात** के लिए यह एक "टोल गेट" के रूप में कार्य करता है।

3. चीन का संतुलन:

- हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए मालदीव एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।
- क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए भारत के लिए यह सहयोग आवश्यक है।

4. कूटनीतिक लाभ:

- मालदीव के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंध से भारत की हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में नेतृत्व भूमिका को बल मिलता है।
- **भारतीय महासागर रिम एसोसिएशन (IORA)** जैसे मंचों में भारत की भूमिका को सुदृढ़ करता है।

संबंधों में चुनौतियाँ:

1. सत्ता परिवर्तन: सरकार में बदलाव से दीर्घकालिक सहयोग परियोजनाओं में अनिश्चितता उत्पन्न होती है।

2. चीनी प्रभाव: मालदीव में चीन का बढ़ता आर्थिक दबदबा, जैसे **बुनियादी ढांचे में निवेश** और **ऋण-जाल कूटनीति**, भारत के सामरिक हितों के लिए चुनौती बन रहा है।

3. गैर-पारंपरिक खतरे: **समुद्री डकैती, आतंकवाद और मादक पदार्थ तस्करी** जैसी चुनौतियाँ क्षेत्र में बनी रहती हैं।

- इन खतरों से निपटने के लिए भारत और मालदीव के बीच सतत सहयोग और खुफिया जानकारी साझा करने की आवश्यकता है।

ई-मीथेनॉल उत्पादन / E-methanol production

संदर्भ:

डेनमार्क ने कासो में दुनिया के पहले वाणिज्यिक स्तर के ई-मीथेनॉल उत्पादन संयंत्र का उद्घाटन किया है, जो सतत ऊर्जा और हरित शिपिंग ईंधनों की दिशा में एक बड़ी छलांग है। यह संयंत्र European Energy और Mitsui द्वारा विकसित किया गया है और हर साल 42,000 मीट्रिक टन ई-मीथेनॉल का उत्पादन करेगा, जो नवीकरणीय ऊर्जा और कैप्चर की गई CO_2 का उपयोग करके वैश्विक शिपिंग उद्योग में कार्बन उत्सर्जन को कम करने का लक्ष्य रखता है।

ई-मीथेनॉल उत्पादन: वाणिज्यिक स्तर पर कम-कार्बन ईंधन

उद्देश्य:

- **समुद्री परिवहन के लिए कम-कार्बन ईंधन:** वाणिज्यिक स्तर पर ई-मीथेनॉल का उत्पादन।
- **नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग:** समुद्री परिवहन में जीवाश्म ईंधनों से नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर संक्रमण को तेज करना।
- **IMO के लक्ष्य का समर्थन:** अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) द्वारा 2050 तक कार्बन उत्सर्जन को समाप्त करने के लक्ष्य का समर्थन।
- **अन्य उद्योगों में उपयोग:** प्लास्टिक और फार्मास्यूटिकल्स सहित अन्य उद्योगों के लिए सतत मीथेनॉल का प्रावधान।

पृष्ठभूमि:

- **परियोजना का नाम:** कासो संयंत्र
- **लागत:** लगभग €150 मिलियन ($167 मिलियन)
- **संयुक्त उद्यम:** डेनमार्क की **यूरोपीय ऊर्जा** और जापान की **मित्सुई**
- **उत्पादन क्षमता:** प्रति वर्ष **53 मिलियन लीटर** (42,000 मीट्रिक टन) ई-मीथेनॉल
- **उत्पादन प्रक्रिया:**
  - **नवीकरणीय विद्युत का उपयोग**
  - **CO_2 का पुनरुत्पादन:** बायोगैस संयंत्रों और कचरा दहन संयंत्रों से कार्बन डाइऑक्साइड का संग्रहण
- **पारंपरिक मीथेनॉल:** मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस और कोयले जैसे जीवाश्म ईंधनों से उत्पादित
- **ई-मीथेनॉल:** कार्बन-न्यूट्रल और पर्यावरण के लिए अनुकूल विकल्प

मीथेनॉल: एक पर्यावरण-अनुकूल ईंधन:

परिचय

- **रासायनिक संरचना:** CH_3OH
- **स्वभाव:** वाष्पशील और ज्वलनशील द्रव अल्कोहल
- **पारंपरिक उत्पादन:** प्राकृतिक गैस और कोयले से
- **उपयोग:** रासायनिक उत्पादन, ईंधन, प्लास्टिक निर्माण, फ्यूल सेल्स

ई-मीथेनॉल अपनाने में चुनौतियाँ:

- **उच्च लागत:** जीवाश्म ईंधनों के मुकाबले प्रतिस्पर्धात्मक नहीं; लागत समानता 2035 के आसपास अनुमानित
- **उत्पादन का पैमाना:** बड़े पैमाने पर हरित मीथेनॉल उत्पादन के लिए बुनियादी ढांचा सीमित
- **CO_2 स्रोत:** स्थायी और विश्वसनीय CO_2 संग्रहण तकनीकी चुनौती
- **भंडारण और वितरण:** नई या अनुकूलित रसद अवसंरचना की आवश्यकता

भारत की मीथेनॉल अर्थव्यवस्था कार्यक्रम:

- **शुरुआत:** नीति आयोग द्वारा
- **लक्ष्य:**
  - तेल आयात बिल में कमी
  - प्रदूषण में कमी
  - स्वच्छ ईंधन विकल्प को बढ़ावा
- **मुख्य स्तंभ:**
  - **उत्पादन स्रोत:** कोयला, बायोमास और नगरपालिका कचरा
  - **उपयोग:** एलपीजी मिश्रण, विद्युत उत्पादन, परिवहन
  - **लक्ष्य:** 2030 तक कच्चे तेल आयात में 10% की कमी

सरकारी पहलें और प्रगति:

- **अनुसंधान:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) ने मीथेनॉल इकोनॉमी रिसर्च प्रोग्राम शुरू किया
- **मिश्रण मानक:** गैसोलीन में 15% मीथेनॉल मिश्रण (M15) अधिसूचित
- **नीति समर्थन:** राष्ट्रीय जैवईंधन नीति 2018 ने मीथेनॉल और डाइमेथाइल ईथर (DME) को वैकल्पिक ईंधन के रूप में मान्यता दी

एमईपीसी-83 / MEPC-83

संदर्भ:

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) के **मरीन एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन कमेटी (MEPC-83) सत्र में शिपिंग से होने वाले उत्सर्जन को कम करने** के लिए एक नई प्रणाली को मंजूरी देकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

MEPC-83 में प्रमुख प्रस्ताव और परिणाम:

प्रमुख प्रस्ताव

- **अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग चैंबर (ICS):** प्रत्येक टन CO_2 उत्सर्जन के लिए एक निश्चित लेवी का सुझाव।
- **चीन:** बाजार-चालित दृष्टिकोण का समर्थन, जिसमें जहाज अनुपालन इकाइयों का व्यापार कर सकें।
- **यूरोपीय संघ (EU):** IMO फंड द्वारा प्रबंधित एक निश्चित ग्रीनहाउस गैस लेवी का प्रस्ताव।
- **भारत:** शून्य या निकट-शून्य ईंधन उपयोगकर्ताओं को प्रोत्साहन देते हुए गैर-अनुपालन वाले जहाजों को लक्षित करने वाला 'ब्रिजिंग मैकेनिज्म' प्रस्तावित।
- **सिंगापुर:** भारत के मॉडल में सुधार करते हुए GHG ईंधन मानक और उत्सर्जन के लिए स्तरीय प्रणाली का सुझाव।

मतदान परिणाम और अगले कदम

मतदान परिणाम:

- MEPC-83 में सिंगापुर के हाइब्रिड मॉडल को **63-16** के मतों से समर्थन मिला।
- इसे नेट जीरो फ्रेमवर्क के रूप में अपनाया गया।
- **वैश्विक उद्योग में पहली बार:**
  - अंतरराष्ट्रीय शिपिंग उद्योग में अनिवार्य उत्सर्जन लेवी लागू होने वाली है।

अंतिम स्वीकृति के लिए कदम:

- MARPOL संधि के अनुच्छेद VI में संशोधन की आवश्यकता।
- **छह महीने की समीक्षा:** अंतिम स्वीकृति के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता।
- **वर्तमान स्थिति:** कुछ सदस्य राज्यों द्वारा संभावित आपत्तियों के कारण परिणाम अभी भी अनिश्चित।

सुस्पष्ट और समयबद्ध लक्ष्य:

- IMO ने ठोस लक्ष्य निर्धारित किए हैं:
  - **2030:** कार्बन तीव्रता में 40% की कमी
  - **2040:** 70% की कमी
  - **2050:** नेट-शून्य उत्सर्जन

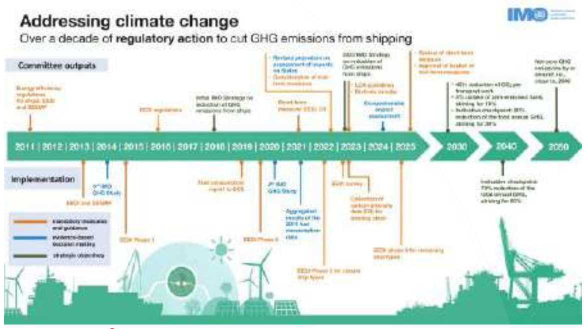

ग्रीन शिपिंग: पर्यावरणीय अनुकूल समुद्री परिवहन

परिचय:

- ग्रीन शिपिंग का अर्थ है समुद्री उद्योग में ऐसी प्रथाओं और प्रौद्योगिकियों का उपयोग जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करें।
- इसमें ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन में कमी, ऊर्जा दक्षता में सुधार और समुद्री प्रदूषण को न्यूनतम करना शामिल है।

ग्रीन शिपिंग की आवश्यकता:

- **वैश्विक उत्सर्जन:** शिपिंग उद्योग से प्रतिवर्ष लगभग **1 बिलियन टन GHG** उत्सर्जन होता है, जो वैश्विक उत्सर्जन का **2.8%** है।
- **भविष्य का अनुमान:** नियंत्रण न किया गया, तो 2050 तक उत्सर्जन में **50-250%** तक वृद्धि हो सकती है।

पहले से लागू उपाय:

- **ऊर्जा दक्षता डिजाइन सूचकांक (EEDI):** नए जहाजों के लिए दक्षता मानकों को निर्धारित करता है।
- **ऊर्जा दक्षता प्रबंधन योजना (SEEMP):** उत्सर्जन को कम करने के लिए परिचालन योजना।
- **अनिवार्य ईंधन तेल खपत रिपोर्टिंग:** जवाबदेही और पारदर्शिता में सुधार के लिए अनिवार्य रिपोर्टिंग।

रिपेरेबिलिटी इंडेक्स / Repairability Index

संदर्भ:

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने घोषणा की कि मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र **में "रिपेयरबिलिटी इंडेक्स (RI) के ढांचे"** पर एक रिपोर्ट सरकार को सौंप दी गई है।

रिपेरेबिलिटी इंडेक्स (RI): उत्पाद मरम्मत क्षमता का माप-

परिचय:

- रिपेरेबिलिटी इंडेक्स एक स्कोरिंग प्रणाली है जो किसी उत्पाद की मरम्मत की सुलभता को रेट करती है।
- इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को सूचित विकल्प प्रदान कर टिकाऊ उपभोग को बढ़ावा देना है।

फ्रेमवर्क की आवश्यकता:

- **उपभोक्ता शिकायतें:** मोबाइल और टैबलेट की मरम्मत संबंधी शिकायतें **2022-23 में 19,057** से बढ़कर **2024-25 में 22,864** हो गईं।
- **डिजिटल निर्भरता:** स्मार्टफोन और टैबलेट आवश्यक उपकरण बन चुके हैं, जिससे मजबूत मरम्मत सुविधा की मांग बढ़ी है।
- **लागत और उत्पाद स्थायित्व:** बढ़ती सामग्री लागत और इंजीनियरिंग में समझौते के कारण नए उत्पाद कम टिकाऊ हो रहे हैं।
- **लक्ष्य:**
  - **ई-कचरा कम करना,**
  - **परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना,**
  - **उत्पाद दीर्घायु सुनिश्चित करना।**

रिपेरेबिलिटी इंडेक्स समिति: गठन और हितधारक-

समिति का गठन:

- **गठन:** सितंबर 2024 में **श्री भरत खेरा** के नेतृत्व में समिति का गठन।
- **लक्ष्य:** उत्पादों की मरम्मत सुलभता पर परामर्श और नीति निर्माण।

प्रमुख सदस्य

- **कंपनियाँ: एप्पल, सैमसंग, डेल, एचपी**
- **उद्योग संघ:**
  - **ICEA (इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन)**
  - **MAIT (मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन फॉर इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी)**
- **उपभोक्ता समूह: EPIC (इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट इनफार्मेशन कंज्यूमर ग्रुप)**
- **सरकारी अधिकारी:**
  - **उपभोक्ता मामले विभाग (DoCA)**
  - **इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (MeitY)**
  - **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME)**

परामर्श प्रक्रिया:

- **विविध परामर्श:** कई बैठकें आयोजित कर विभिन्न हितधारकों के विचार प्राप्त किए गए।
- **उद्देश्य:** मरम्मत सुलभता को बढ़ावा देने के लिए ठोस और व्यावहारिक नीति निर्मित करना।

रिपेरेबिलिटी इंडेक्स रूपरेखा: मुख्य विशेषताएँ-

उत्पाद फोकस:

- **प्रारंभिक चरण:**
  - **स्मार्टफोन और टैबलेट**

कवर किए गए पुर्जे:

- **मुख्य घटक:**
  - बैटरी, डिस्प्ले, चार्जिंग पोर्ट, कैमरा मॉड्यूल आदि।

मूल्यांकन के छह मापदंड:

1. **विघटन की गहराई**
2. **मरम्मत जानकारी**
3. **स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता**
4. **सॉफ्टवेयर अपडेट**
5. **उपकरण और फास्टनर**
6. **स्व-घोषणा**

स्कोरिंग प्रणाली:

- **रेटिंग:** उत्पादों को **5-बिंदु संख्यात्मक पैमाने** पर मूल्यांकित किया जाएगा।

कार्यान्वयन रणनीति:

- **स्व-घोषणा:** ओईएम (मूल उपकरण निर्माता) **स्वयं रिपेरेबिलिटी इंडेक्स (RI) घोषित करेंगे।**
- **प्रदर्शन:** RI को **पैकेजिंग, ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म और स्टोर्स** में **क्यूआर कोड** के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।
- **वैश्विक मानकों से समन्वय: औद्योगिक नवाचार** की सुरक्षा के साथ **वैश्विक अभ्यासों** के अनुरूप।

अमेरिका ने सीरिया पर से प्रतिबंध हटाये / US lifted sanctions on Syria

संदर्भ:

अमेरिका के राष्ट्रपति **डोनाल्ड ट्रंप** ने घोषणा की है कि **सीरिया** पर लगे **अमेरिकी प्रतिबंध** हटा दिए जाएंगे। यह फैसला दमिश्क में नई सरकार के लिए एक बड़ा समर्थन माना जा रहा है, जिसने दिसंबर में लंबे समय से सत्ता में रहे बशर अल-असद को अपदस्थ कर सत्ता संभाली थी।

सीरिया पर लगाए गए प्रतिबंध: एक दृष्टिकोण

प्रतिबंध लगाने वाले देश

- **अमेरिका सहित कई देशों** ने सीरिया पर प्रतिबंध लगाए।
- **पूर्व अल-असद शासन (1971-2024)** के दौरान प्रतिबंधों का क्रमिक विस्तार हुआ।

प्रमुख प्रतिबंध और उनके कारण

- **2004 के प्रतिबंध:**
  - **कारण:** सीरिया के साथ अमेरिकी आर्थिक और रक्षा सहयोग पर रोक।
  - **प्रभाव:**
    - **शस्त्र निर्यात प्रतिबंध।**
    - **अमेरिकी आर्थिक संबंधों पर सीमाएँ।**
- **2011 के बाद के प्रतिबंध:**
  - **कारण:**
    - **गृहयुद्ध के दौरान असद शासन द्वारा नागरिक प्रदर्शनकारियों पर हमले।**
    - **रासायनिक हथियारों के उपयोग और मानवाधिकार उल्लंघन।**
  - **प्रभाव:**
    - **सीरियाई सरकार की विदेश में जमा संपत्ति पर रोक।**
    - **अमेरिकी निवेश पर प्रतिबंध।**
    - **पेट्रोलियम आयात पर सीमाएँ।**

आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़े प्रतिबंध

अल-शरा की गिरफ़्तारी पर इनाम:

- **घोषणा:** अमेरिका ने **10 मिलियन डॉलर का इनाम** घोषित किया।
- **कारण:**
  - अल-शरा का **हयात तहरीर अल-शाम (HTS)** के साथ पूर्व जुड़ाव।
  - **HTS** को **"विदेशी आतंकवादी संगठन"** घोषित किया गया।
  - **HTS का अल-कायदा से पुराना संबंध।**

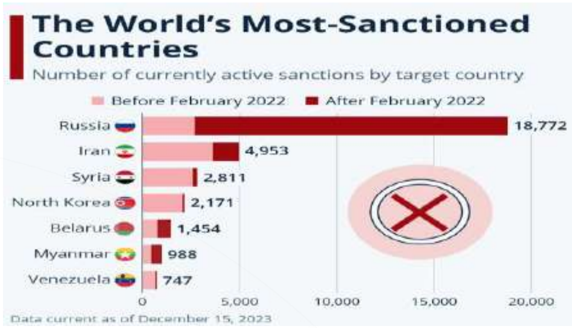

प्रतिबंधों का सीरियाई अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:

- **युद्ध से पहले ही संकटग्रस्त:** वर्षों के युद्ध से सीरियाई अर्थव्यवस्था कमजोर हो चुकी थी। 2018 में वर्ल्ड बैंक ने इसे निम्न-आय वाली अर्थव्यवस्था घोषित किया।
- **GDP गिरावट:** 2010 से 2020 के बीच देश की GDP 50% से ज्यादा गिर गई।
- **भीषण गरीबी:** 2023 तक 90% से अधिक लोग गरीबी में जी रहे थे। ईंधन, दवा, बिजली और भोजन की भारी कमी थी।
- **सार्वजनिक सेवाएं ठप:** सरकारी संस्थान लगभग बंद हो गए और विदेशी निवेश रुक गया।
- **कृषि को नुकसान:** जैतून और पिस्ता जैसी प्रसिद्ध खेती नष्ट हो गई।
- **अवैध अर्थव्यवस्था का बढ़ना:** वैध व्यापार बंद होने से सीरिया कैप्टागन (एक नशीली दवा) का केंद्र बन गया।

आगे का रास्ता (Way Forward) –:

- **वैश्विक संकेत:** अमेरिका की वैश्विक वित्तीय प्रणाली में केंद्रीय भूमिका होने के कारण प्रतिबंध हटाना दुनिया को यह संकेत देता है कि अब सीरिया में व्यापार किया जा सकता है।
- **आर्थिक सुधार की उम्मीद:** ये प्रतिबंध सीरिया की अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ थे और नई सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती थे, जो बेरोजगारी, गरीबी और बिजली संकट जैसी समस्याओं के बीच जीवन स्तर सुधारने के दबाव में है।
- **निवेश की संभावना:** अमेरिका खुद निवेश करेगा या नहीं, यह तो तय नहीं है, लेकिन अरब और तुर्की देशों से निवेश बढ़ने की संभावना है।
- **विकास का रास्ता खुला:** प्रतिबंधों का हटना अब सीरिया के लिए आर्थिक विकास और समृद्धि की दिशा में एक प्रमुख बाधा को हटा देता है।

बांग्लादेश को IMF ऋण / IMF Loan to bangladesh

संदर्भ:

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) जून में **बांग्लादेश को 1.3 अरब डॉलर** जारी करने जा रहा है। यह राशि उसके 4.7 अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम की चौथी समीक्षा पूरी होने और विनिमय दर सुधारों पर महत्वपूर्ण समझौते के बाद दी जाएगी।

IMF से वित्तीय सहायता की मांग:

1. **योजना के तहत मांग:** बांग्लादेश ने IMF से **ECF (Extended Credit Facility)** और **EFF (Extended Fund Facility)** योजनाओं के तहत अतिरिक्त सहायता की मांग की है।
2. **कुल सहायता राशि:**
   - **ECF + EFF** के तहत सहायता बढ़कर **लगभग $4.1 बिलियन** हो जाएगी।
   - **RSF (Resilience and Sustainability Facility)** योजना के तहत पहले से **$1.3 बिलियन** मंजूर हैं।
3. **संयुक्त समीक्षा और अगली किश्त:**
   - संयुक्त तीसरी और चौथी समीक्षा पूरी होने पर बांग्लादेश को **983.8 मिलियन SDR (लगभग $1.3 बिलियन)** मिल सकते हैं।
   - इसमें से ECF+EFF से **$874 मिलियन**, और RSF से **$448 मिलियन** मिलेंगे।
4. **मुख्य सुधार क्षेत्र:**
   - राजस्व प्रबंधन (Revenue Management)
   - राजकोषीय नीति (Fiscal Policy)
   - विदेशी मुद्रा विनिमय प्रणाली

पाकिस्तान को IMF ऋण / IMF Loan to Pakistan:

IMF ने हाल ही में पाकिस्तान को EFF के तहत $1 बिलियन तुरंत जारी करने की मंजूरी दी

भारत का विरोध: रणनीतिक और सुरक्षा संबंधी चिंताएं:

1. **पिछले ऋणों का दुरुपयोग:** पाकिस्तान ने पूर्व में मिले IMF लोन का वादा किए गए सुधारों पर खर्च नहीं किया या गलत ढंग से इस्तेमाल किया।
2. **राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरा:** भारत के अनुसार, यह ऋण अप्रत्यक्ष रूप से सीमा-पार आतंकवाद या सैन्य गतिविधियों के लिए फ़ंडिंग में इस्तेमाल हो सकता है।

क्या है EFF?

- **परिभाषा:** यह एक **आईएमएफ ऋण तंत्र** है, जो उन देशों की मदद के लिए डिज़ाइन किया गया है जो **दीर्घकालिक भुगतान संतुलन समस्याओं** का सामना कर रहे हैं।
  - यह समस्याएँ अक्सर **गंभीर संरचनात्मक आर्थिक कमजोरियों** के कारण उत्पन्न होती हैं।

प्रमुख विशेषताएँ

- **शासी निकाय: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)**, जो ब्रेटन वुड्स संस्थानों का हिस्सा है।
- **ऋण प्रकार: ऋण (लोन)**, न कि अनुदान या वित्तीय सहायता।
- **अवधि: लंबी अवधि (3+ वर्ष)**, जिसमें सामान्य IMF ऋणों की तुलना में लंबी पुनर्भुगतान समय-सीमा होती है।
- **उद्देश्य:** मध्यम अवधि में **संरचनात्मक सुधारों** को सुगम बनाना।
  - जैसे:
    - **कर प्रणाली में सुधार।**
    - **मुद्रास्फीति में कमी।**
    - **अस्थिर राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करना।**
- **राशि वितरण: किश्तों में,** जो नीति कार्यान्वयन की **नियमित समीक्षा** के आधार पर जारी की जाती है।

पात्रता मानदंड:

- **वर्तमान खाता घाटा** या भुगतान संतुलन में दीर्घकालिक तनाव।
- **गहन संरचनात्मक समस्याएँ: शासन, निवेश, कर प्रणाली या वित्तीय क्षेत्र** में समस्याएँ।
- **आईएमएफ द्वारा निगरानी वाले संरचनात्मक सुधारों** को लागू करने की **इच्छा और क्षमता।**

Apni Pathshala एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

जियोट्यूबिंग / Geotubing

संदर्भ:

केरल के पून्थुरा तट पर **जियोट्यूब तकनीक** से बने ऑफशोर ब्रेकवाटर सिस्टम पर वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि इस प्रणाली ने तटीय क्षेत्र के भू-दृश्य में उल्लेखनीय परिवर्तन किए हैं।

Geotubing: प्रभावी तट रक्षा और कटाव प्रबंधन:

क्या है Geotubing ?

- **परिभाषा:** Geotubes बड़े, पारगम्य कपड़े से बने ट्यूब होते हैं, जो **ड्रेज किए गए या हाइड्रॉलिक रूप से भरे सामग्री** से भरे होते हैं।
  - इनका उपयोग **कटाव प्रबंधन और जल निकासी** के लिए किया जाता है।
- **सामग्री:** उच्च-शक्ति और पारगम्य सामग्री, आमतौर पर **पॉलीप्रोपाइलीन बुने हुए जियोटेक्सटाइल**, जो **मजबूती और पर्यावरणीय प्रतिरोध** प्रदान करते हैं।
- **कार्य:** जियोटेक्सटाइल कपड़ा **जल को बाहर निकालता है** जबकि **ठोस कणों को रोक कर रखता है।**

तट रक्षक और समुद्री दीवार में उपयोग:

- **उद्देश्य:** समुद्रतट और तटरेखा को **कटाव से बचाने** के लिए **कृत्रिम अवरोध** का निर्माण।
- **विशेषताएँ:**
  - इन्हें अक्सर **ब्रेकवाटर ट्यूब** कहा जाता है।
  - ये ट्यूब **लहरों और ज्वारीय क्रियाओं** के खिलाफ **पहली रक्षा पंक्ति** के रूप में कार्य करते हैं।
- **कार्यप्रणाली:**
  - लहरें ट्यूब से टकराती हैं, जिससे तटरेखा और टीलों पर **प्रभाव कम** हो जाता है।
  - तटीय क्षेत्रों जैसे **नहरों, खाड़ियों** में **बालू/तटरेखा संरक्षण**।

आकार और अनुकूलन:

- **आकार:** परियोजना आवश्यकताओं के अनुसार **विभिन्न आकार और रूप** में उपलब्ध।
- **अनुकूलता: प्रदूषित स्थलों, जल तटों, अंतर्देशीय जलमार्गों** जैसे विभिन्न स्थानों पर आसानी से स्थापित किए जा सकते हैं।
- **लाभ: स्थायित्व, लचीलापन** और **पर्यावरणीय अनुकूलन**।

भारतीय याक / Indian Yak

संदर्भ:

भारतीय याक (Bos grunniens) के गुणसूत्र स्तर के जीनोम को पहली बार सफलतापूर्वक अनुक्रमित किया गया है। यह कार्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) की चार संस्थाओं के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है, जो पशु आनुवंशिकी और हिमालयी जैव विविधता अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

भारतीय याक: हिमालय का 'जहाज'

परिचय

- **नाम:** भारतीय याक (Bos grunniens)
- **उपाधि:** "हिमालय का जहाज"
- **भूमिका:**
  - उच्च पर्वतीय चरवाहा समुदायों की आजीविका का प्रमुख आधार।
  - मुख्यत: **लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश** और अन्य हिमालयी राज्यों में पाए जाते हैं।
- **महत्व:**
  - **मांस, दूध, रेशे, ईंधन (गोबर), और मालवाहक परिवहन** का प्रमुख स्रोत।
  - **ठंड प्रतिरोध क्षमता** के कारण, ये **अत्यधिक जलवायु अनुकूलन** के अध्ययन के लिए जैविक मॉडल माने जाते हैं।

याक के प्रकार:

- **घरेलू याक (Bos grunniens):**
  - ऊँचाई: **7,000 फीट से अधिक**
  - क्षेत्र: **लद्दाख, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर**
- **जंगली याक (Bos mutus):** मुख्यत: **तिब्बत**, और कुछ हिस्से **मंगोलिया और रूस**

जैविक विशेषताएँ:

- **वंश:** Bos (गो वंश)
- **निकट संबंध:** मवेशी (Bos primigenius)
- **विशेष गुण:**
  - ठंड में जीवित रहने की **असाधारण क्षमता**
  - ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में **जीवन निर्वाह**
  - **शारीरिक बनावट:** घने और लंबे बाल, मोटी त्वचा, ठंड सहने के लिए विशेष रूप से विकसित।

अमेरिका-सऊदी अरब / US-Saudi Arabia

संदर्भ:

संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब ने लगभग **$142 बिलियन** की रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए हैं, जो सऊदी अरब की अमेरिका में $600 बिलियन के व्यापक निवेश प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

प्रमुख समझौते के घटक:

रक्षा पैकेज:

- **मुख्य बिंदु:**
  - समझौते का केंद्रीय हिस्सा **हथियार, सैन्य प्रणाली और सेवाएं** हैं।
  - चर्चा में **लॉकहीड मार्टिन के F-35 लड़ाकू विमान** में सऊदी अरब की रुचि का उल्लेख, हालांकि अंतिम खरीद की पुष्टि नहीं।

वाणिज्यिक सौदे:

- **जनरल इलेक्ट्रिक (GE):**
  - **निर्यात मूल्य:** $14.2 बिलियन
  - **उत्पाद:** गैस टर्बाइन और ऊर्जा समाधान
- **बोइंग:**
  - **विमान मॉडल:** 737-8 यात्री विमान
  - **मूल्य:** $4.8 बिलियन

अमेरिका-सऊदी अरब साझेदारी: रणनीतिक गठजोड़

प्रमुख विशेषताएं

- **तेल और ऊर्जा:**
  - अमेरिका सऊदी अरब से तेल का प्रमुख आयातक है।
  - सऊदी अरब वैश्विक तेल बाजार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **सुरक्षा सहयोग:**
  - अमेरिका सऊदी अरब को **सैन्य समर्थन और प्रशिक्षण** प्रदान करता है।
  - सऊदी अरब अमेरिकी हथियारों का प्रमुख खरीदार है।
- **क्षेत्रीय स्थिरता:**
  - दोनों देश **मध्य पूर्व में स्थिरता** की आवश्यकता को महत्वपूर्ण मानते हैं।
  - क्षेत्रीय मुद्दों पर सहयोग करते हुए, आपसी हितों को साधते हैं।

वर्ल्ड फूड प्राइज / World Food Prize 2025

संदर्भ:

ब्राज़ील की माइक्रोबायोलॉजिस्ट मारियांगेला हुंग्रिया को 2025 के वर्ल्ड फूड प्राइज़ (विश्व खाद्य पुरस्कार) से सम्मानित किया गया है।

वर्ल्ड फूड प्राइज 2025: हंग्रिया की उपलब्धि

प्रमुख योगदान:

- हंग्रिया ने **राइज़ोबिया और Azospirillum brasilense** जैसे लाभकारी बैक्टीरिया का उपयोग कर **बीज और मिट्टी उपचार** विकसित किए।
- इन नवाचारों से **सोयाबीन में प्राकृतिक नाइट्रोजन फिक्सेशन** में मदद मिलती है।
- मकई जैसी फसलों में **जड़ वृद्धि** को बढ़ावा देकर पोषक तत्व और जल ग्रहण क्षमता में सुधार किया।

वर्ल्ड फूड प्राइज:

- यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को मान्यता देता है जिन्होंने **खाद्य गुणवत्ता, मात्रा या उपलब्धता में सुधार** कर मानव विकास को बढ़ावा दिया है।
- 1986 में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता **डॉ. नॉर्मन ई. बोरलॉग** द्वारा स्थापित।
- इसे अक्सर **खाद्य और कृषि का नोबेल पुरस्कार** कहा जाता है।
- पुरस्कार राशि: **$500,000**
- सम्मान समारोह: **अक्टूबर के मध्य**, विश्व खाद्य दिवस के आस-पास।

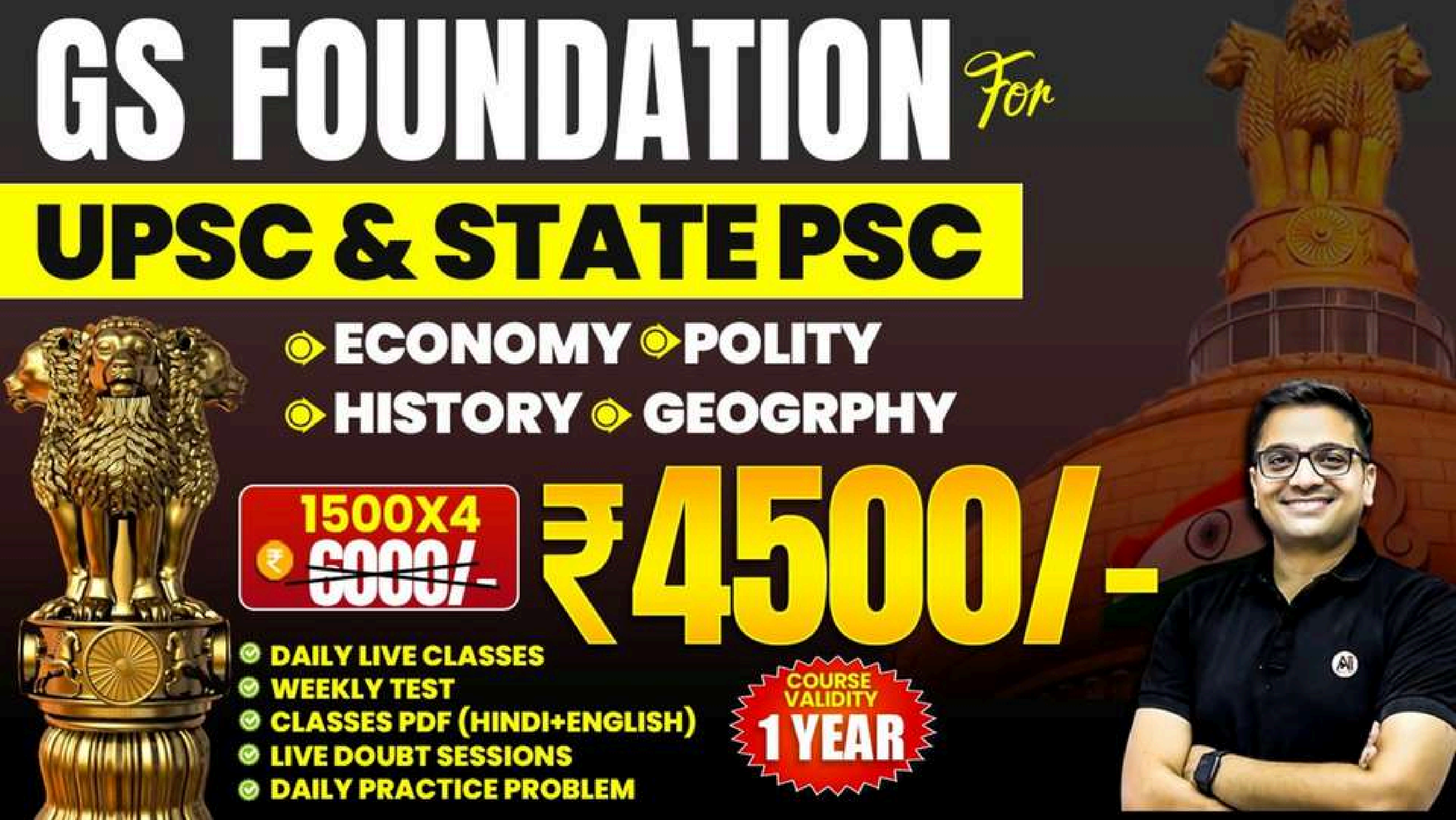

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ ~~6000/-~~
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

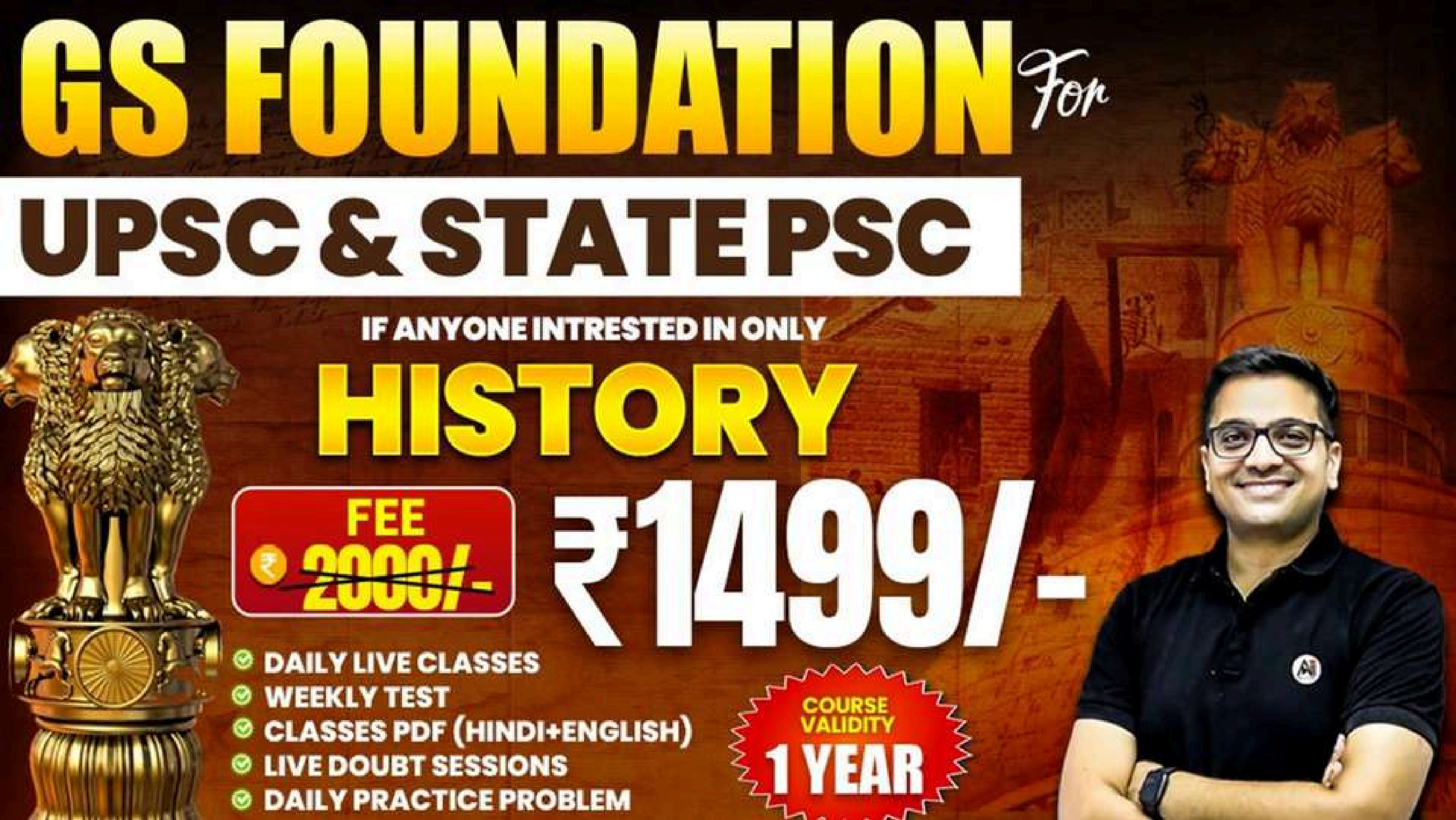
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

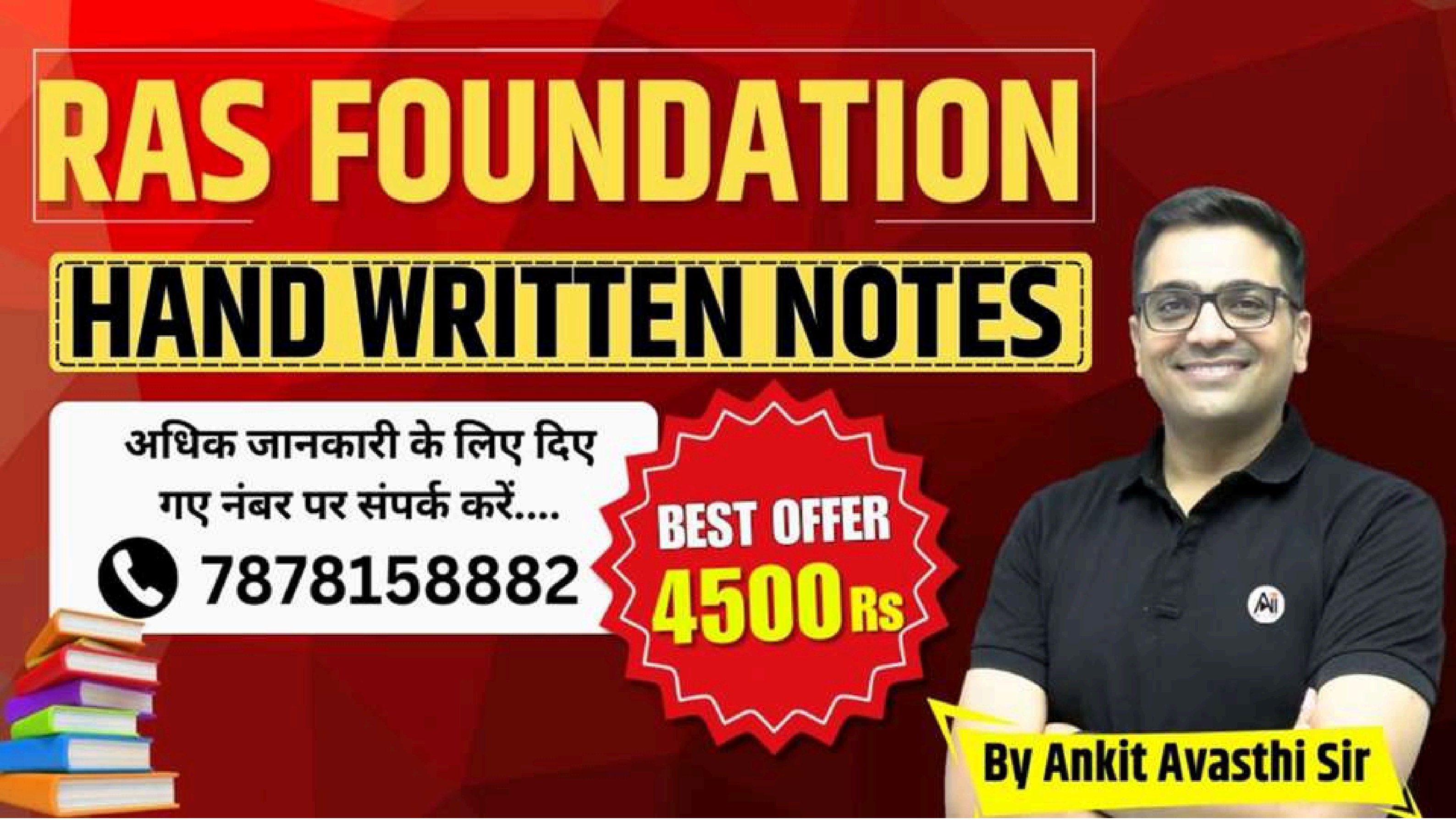
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per Year
Buy Now

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application
Apni Pathshala
7878158882

Apni.Pathshala
Avasthiankit
AnkitAvasthiSir
kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

CALL
CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: